चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Hindustan Times	3.7.2022	--	--

CCS HAU and GJU tie up for research pursuits

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University has inked a pact with Guru Jambeshwar University of Science & Technology, Hisar under which both the institutions will cooperate with each other in their academic and research pursuits. The MoU was signed on June 29.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	3.7.22	5	1-5

प्रदेश के किसानों को मिलेंगे आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताशील बीज : काम्बोज

विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र से किया समझौता

हिसार, 2 जुलाई (विरेंद्र वर्मा) : हरियाणा के किसानों को आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताशील बीज उपलब्ध होंगे। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और पेरू देश के अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र के बीच सहयोग के लिए एक अनुबंध हुआ है। अनुबंध के अनुसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द से आलू की उच्च गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री प्राप्त करके उसका संवर्धन करेगा और प्रदेश के किसानों को उपलब्ध करवाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा जबकि अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र की ओर से एशिया के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. समरेन्दू मोहंती ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए।

एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ हैं अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द और विश्वविद्यालय के अधिकारी।

हरियाणा बनेगा आलू गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन केन्द्र

इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि हमारा उद्देश्य हरियाणा प्रदेश को आलू गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन केन्द्र बनाना है। इससे किसानों को गुणवत्तापूर्ण रोग मुक्त आलू का बीज उपलब्ध हो सकेगा। इससे आलू के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि के साथ इसके अंतर्गत क्षेत्र में भी वृद्धि होगी जिसके परिणामस्वरूप किसानों की आमदनी बढ़ेगी और प्रदेश में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने बताया उपरोक्त समझौते के तहत अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र द्वारा विकसित आलू की उत्पादन व रोग प्रतिरोधकता में दक्षिण अफ्रीका जैसे गर्म देश में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली किस्मों का बीज प्राप्त करके उसका परीक्षण और संवर्धन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रौद्योगिकियों और विधियों को सांझा करने के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों का क्षमता निर्माण भी किया जाएगा।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने की आलू की 16 किस्में विकसित

प्रो. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत आलू की अब तक 16 किस्में विकसित की हैं। इनमें से कुफरी बादशाह, कुफरी बहार, कुफरी सतलुज, कुफरी पुष्कर, कुफरी ख्याति और कुफरी पुखराज आदि किस्में हरियाणा में बहुत प्रसिद्ध है। उन्होंने बताया वर्ष 2020-21 दौरान हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कुफरी बहार और कुफरी पुष्कर किस्मों का 401.73 क्विंटल बीज उत्पादन किया गया था।

इस अवसर पर पेरू की राजधानी लीमा स्थित अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. समरेन्दू मोहंती ने बताया कि इस केन्द्र द्वारा आलू, शकरकंद और कंदों पर अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के 20 से अधिक देशों में शोध कार्य किया जा रहा है। समझौते पर हस्ताक्षर करते समय मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सब्जी विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. टी.पी. मलिक, डॉ. जयंती टोकस सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	3.7.22	4	3-6

हरियाणा के किसानों को मिलेंगे आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताशील बीज : प्रो. काम्बोज

» विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र के साथ किया समझौता

एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र और विश्वविद्यालय के अधिकारी।

हिसार, 2 जुलाई (ब्यूरो): हरियाणा के किसानों को आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताशील बीज उपलब्ध होंगे। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और पेरू देश के अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र के बीच सहयोग के लिए एक अनुबंध हुआ है। अनुबंध के अनुसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र से आलू की उच्चा गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री प्राप्त करके उसका संवर्धन करेगा और प्रदेश के किसानों को उपलब्ध करवाएगा।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा जबकि अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र की ओर से एशिया के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. समरेन्द्र मोहंती ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए। कुलपति ने कहा कि हमारा उद्देश्य हरियाणा प्रदेश को आलू गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन केन्द्र बनाना है। इससे किसानों को गुणवत्तापूर्ण रोग मुक्त आलू का बीज उपलब्ध हो सकेगा।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत आलू की अब तक 16 किस्में विकसित की हैं। इनमें से कुफरी बादशाह, कुफरी बहार, कुफरी सतलुज, कुफरी पुष्कर, कुफरी ख्याति और कुफरी पुखराज आदि किस्में हरियाणा में बहुत प्रसिद्ध हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	3.7.22	1	1-4

हरियाणा के किसान भी आलू उगा ले सकेंगे मुनाफा

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा के किसानों को आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताशील बीज उपलब्ध होंगे। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और पेरू देश के अंतरराष्ट्रीय आलू केन्द्र के बीच सहयोग के लिए एक अनुबंध हुआ है। अनुबंध के अनुसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र से आलू की उच्च गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री प्राप्त करके उसका संवर्धन करेगा और प्रदेश के किसानों को उपलब्ध करवाएगा।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डा. जीत राम शर्मा जबकि अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र की ओर से एशिया के क्षेत्रीय निदेशक डा. समरेन्दू मोहंती ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए।

हरियाणा बनेगा आलू गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन केन्द्र : इस अवसर पर कुलपति डा. कांबोज ने बताया कि हमारा उद्देश्य हरियाणा प्रदेश को आलू गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन केन्द्र बनाना है। इससे किसानों को गुणवत्तापूर्ण रोग मुक्त आलू का बीज उपलब्ध हो सकेगा। इससे आलू के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि के साथ इसके तहत क्षेत्र में भी वृद्धि होगी जिसके परिणामस्वरूप किसानों की आमदनी बढ़ेगी और प्रदेश में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इस समझौते के तहत अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र द्वारा विकसित आलू की उत्पादन व रोग प्रतिरोधकता में दक्षिण अफ्रीका जैसे गर्म देश में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली किस्मों का बीज प्राप्त करके उसका परीक्षण और संवर्धन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रौद्योगिकियों और विधियों को सांझा करने के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों का क्षमता निर्माण भी किया जाएगा।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने की आलू की 16 किस्में विकसित : विश्वविद्यालय ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत आलू की अब तक 16 किस्में विकसित की हैं। इनमें से कुफरी बादशाह, कुफरी बहार, कुफरी सतलुज, कुफरी पुष्कर, कुफरी ख्याति और कुफरी पुखराज आदि किस्में हरियाणा में बहुत प्रसिद्ध हैं। उन्होंने बताया वर्ष 2020-21 दौरान हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कुफरी बहार और कुफरी पुष्कर किस्मों का 401.73 क्विंटल बीज उत्पादन किया गया था।

समझौते पर हस्ताक्षर करते समय ये भी रहे मौजूद : समझौते पर हस्ताक्षर करते समय मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता, ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, सब्जी विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. टीपी मलिक, डा. जयंती टोकस सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र और विश्वविद्यालय के अधिकारी। • एचएयू

अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र 20 से अधिक केंद्रों पर कर रहा शोध

इस अवसर पर पेरू की राजधानी लीमा स्थित अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डा. समरेन्दू मोहंती ने बताया कि इस केन्द्र द्वारा आलू, शकरकंद और कंदों पर अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के 20 से अधिक देशों में शोध कार्य किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	4-7-22	6	5-8

किसानों को मिलेंगे आलू के तापरोधी उन्नत किस्म के बीज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि ने पेरू देश के अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र के साथ किया समझौता

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा के किसानों को आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताशील बीज उपलब्ध होंगे। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) और पेरू देश के अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र के बीच सहयोग के लिए एक अनुबंध हुआ है। अनुबंध के अनुसार विवि आलू की उच्च गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री प्राप्त करके उसका संवर्धन करेगा और प्रदेश के किसानों को उपलब्ध करवाएगा।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा जबकि अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र की ओर से एशिया के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. समरेंदु मोहंती ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए। कुलपति ने कहा कि हमारा उद्देश्य हरियाणा प्रदेश को आलू गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन केंद्र बनाना है। इससे किसानों को गुणवत्तापूर्ण रोग मुक्त आलू का बीज उपलब्ध हो सकेगा। इससे आलू के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि के साथ इसके अंतर्गत क्षेत्र में भी वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप किसानों की आमदनी बढ़ेगी और प्रदेश में रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

उन्होंने बताया उपरोक्त समझौते के तहत अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र द्वारा विकसित आलू की उत्पादन व रोग प्रतिरोधकता में दक्षिण अफ्रीका जैसे गर्म देश में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली किस्मों का बीज प्राप्त करके उसका परीक्षण और संवर्धन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रौद्योगिकियों और विधियों को साझा करने के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों का क्षमता निर्माण भी किया जाएगा।

20 से अधिक केंद्रों पर कर रहा शोध : पेरू की राजधानी लीमा स्थित अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. समरेन्दू मोहंती ने बताया कि इस केंद्र द्वारा आलू, शकरकंद और कंदों पर अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के 20 से अधिक देशों में शोध कार्य किया जा रहा है।

एचएयू ने विकसित कीं आलू की 16 किस्में

कुलपति प्रो. कांबोज ने बताया कि विश्वविद्यालय ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत आलू की अब तक 16 किस्में विकसित की हैं। इनमें से कुफरी बादशाह, कुफरी बहार, कुफरी सतलुज, कुफरी पुष्कर, कुफरी ख्याति और कुफरी पुखराज किस्में हरियाणा में बहुत प्रसिद्ध हैं। उन्होंने बताया वर्ष 2020-21 दौरान हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कुफरी बहार और कुफरी पुष्कर किस्मों का 401.73 क्विंटल बीज उत्पादन किया गया था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	3.7.22	3	6.8

किसानों को आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताशील बीज मिलेंगे

विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय आलू केन्द्र के साथ किया समझौता

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा के किसानों को आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताशील बीज उपलब्ध होंगे। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और पेरू देश के अंतरराष्ट्रीय आलू केन्द्र के बीच सहयोग के लिए एक अनुबंध हुआ है। अनुबंध के अनुसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द से आलू की उच्च गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री प्राप्त करके उसका संवर्धन करेगा और प्रदेश के किसानों को उपलब्ध करवाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा जबकि अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र की ओर से एशिया के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. समरेन्द्र मोहंती ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने की आलू की 16 किस्में विकसित

प्रो. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत आलू की अब तक 16 किस्में विकसित की हैं। इनमें से कुफरी बादशाह, कुफरी बहार, कुफरी सतलुज, कुफरी पुष्कर, कुफरी ख्याति और कुफरी पुखराज आदि किस्में हरियाणा में बहुत प्रसिद्ध है। उन्होंने बताया वर्ष 2020-21 दौरान हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कुफरी बहार और कुफरी पुष्कर किस्मों का 401.73 क्विंटल बीज उत्पादन किया गया था।

प्रदेश में बनेगा बीज उत्पादन केन्द्र

कुलपति ने कहा कि हमारा उद्देश्य हरियाणा प्रदेश को आलू गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन केन्द्र बनाना है। उन्होंने बताया समझौते के तहत अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र द्वारा विकसित आलू की उत्पादन व रोग प्रतिरोधकता में दक्षिण अफ्रीका जैसे गर्म देश में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली किस्मों का बीज प्राप्त करके उसका परीक्षण और संवर्धन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रौद्योगिकियों और विधियों को सांझा करने के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों का क्षमता निर्माण भी किया जाएगा।

20 से अधिक केन्द्रों पर शोध

पेरू की राजधानी लीमा स्थित अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. समरेन्द्र मोहंती ने बताया कि इस केन्द्र द्वारा आलू, शकरकंद और कंदों पर अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के 20 से अधिक देशों में शोध कार्य किया जा रहा है।

ये रहे मौजूद

समझौते पर हस्ताक्षर करते समय मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सब्जी विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. टी.पी. मलिक, डॉ. जयंती टोकस सहित अन्य अधिकारी रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	3.7.2022	--	--

हरियाणा के किसानों को मिलेंगे आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताशील बीज : प्रो. बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय आलू केन्द्र के साथ किया समझौता

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 3 जुलाई : हरियाणा के किसानों को आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताशील बीज उपलब्ध होंगे। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और पेरू देश के अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र के बीच सहयोग के लिए एक अनुबंध हुआ है। अनुबंध के अनुसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय आलू केन्द्र से आलू की उच्च गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री प्राप्त करके उसका संवर्धन करेगा और प्रदेश के किसानों को उपलब्ध करवाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा जबकि अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र की ओर से एशिया के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. समरेन्दु मोहंती ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए।

हरियाणा बनेगा आलू गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन केन्द्र

इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि हमारा उद्देश्य हरियाणा प्रदेश को आलू गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन केन्द्र बनाना है। इससे किसानों को गुणवत्तापूर्ण रोग मुक्त आलू का बीज उपलब्ध हो सकेगा। इससे आलू के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि के साथ इसके अंतर्गत क्षेत्र में भी वृद्धि होगी जिसके परिणामस्वरूप किसानों की आमदनी बढ़ेगी और प्रदेश में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने बताया उपरोक्त समझौते के तहत अंतरराष्ट्रीय आलू केन्द्र द्वारा विकसित आलू की उत्पादन व रोग प्रतिरोधकता में दक्षिण अफ्रीका जैसे गर्म देश में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली किस्मों का बीज प्राप्त करके उसका परीक्षण और संवर्धन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रौद्योगिकियों और विधियों को साझा करने के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों का क्षमता निर्माण भी किया जाएगा।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने की आलू की 16 किस्में विकसित

प्रो. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत आलू की अब तक 16 किस्में विकसित की हैं। इनमें से कुफरी बादशाह, कुफरी बहार, कुफरी सतलुज, कुफरी पुष्कर, कुफरी ख्याति और कुफरी पुखराज आदि किस्में हरियाणा में बहुत प्रसिद्ध हैं। उन्होंने बताया 2020-21 दौरान हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कुफरी बहार और कुफरी पुष्कर किस्मों का 401.73 क्विंटल बीज उत्पादन किया गया था।

अंतरराष्ट्रीय आलू केन्द्र 20 से अधिक केन्द्रों पर कर रहा शोध

इस अवसर पर पेरू की राजधानी लीमा स्थित अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. समरेन्दु मोहंती ने बताया कि इस केन्द्र द्वारा आलू, शकरकंद और कंदों पर अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के 20 से अधिक देशों में शोध कार्य किया जा रहा है।

समझौते पर हस्ताक्षर करते समय ये भी रहे मौजूद

समझौते पर हस्ताक्षर करते समय मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सब्जी विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. टी.पी. मलिक, डॉ. जयंती टोकस सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	2.7.2022	--	--

किसानों को रोग मुक्त व गुणवत्तापूर्ण आलू का बीज उपलब्ध करवाने के लिए हकृवि और पेरू में अनुबंध

हिसार/ 30 जून/ रिपोर्टर

प्रदेश के किसानों को आलू की तापरोधी उन्नत किस्मों के गुणवत्ताशील बीज उपलब्ध होंगे। इसके लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और पेरू देश के अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र के बीच सहयोग के लिए एक अनुबंध हुआ है। अनुबंध के अनुसार हकृवि अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द से आलू की उच्च गुणवतायुक्त पौध सामग्री प्राप्त करके उसका संवर्धन करेगा और प्रदेश के किसानों को उपलब्ध करवाएगा। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा जबकि अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र की ओर से एशिया के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. समरेन्दू मोहंती ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए। कुलपति ने कहा कि हमारा उद्देश्य प्रदेश को आलू गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन केन्द्र बनाना है। इससे किसानों को गुणवत्तापूर्ण रोग मुक्त आलू का बीज उपलब्ध हो सकेगा। इससे आलू के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि के साथ इसके अंतर्गत क्षेत्र में भी वृद्धि होगी जिसके परिणामस्वरूप किसानों की आमदनी बढ़ेगी और प्रदेश में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने बताया उपरोक्त समझौते के तहत अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र द्वारा

विकसित आलू की उत्पादन व रोग प्रतिरोधकता में दक्षिण अफ्रीका जैसे गर्म देश में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली किस्मों का बीज प्राप्त करके उसका परीक्षण और संवर्धन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रौद्योगिकियों और विधियों को सांझा करने के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों का क्षमता निर्माण भी किया जाएगा। प्रो. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत आलू की अब तक 16 किस्में विकसित की हैं। इनमें से कुफरी बादशाह, कुफरी बहार, कुफरी सतलुज, कुफरी पुष्कर, कुफरी ख्याति और कुफरी पुखराज आदि किस्में हरियाणा में बहुत प्रसिद्ध हैं। उन्होंने बताया वर्ष 2020-21 दौरान हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कुफरी बहार और कुफरी पुष्कर किस्मों का 401.73 क्विंटल बीज उत्पादन किया गया था। इस अवसर पर पेरू की राजधानी लीमा स्थित अंतर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. समरेन्दू मोहंती ने बताया कि इस केन्द्र द्वारा आलू, शकरकंद और कंदों पर अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के 20 से अधिक देशों में शोध कार्य किया जा रहा है। इस मौके पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सब्जी विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. टी.पी. मलिक, डॉ. जयंती टोकस सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	3.7.22	4	3-4

एचएयू के कर्मचारियों को मिलेगी कैशलेस सुविधा

अन्य मांगों को लेकर कुलपति से की वार्ता

भास्कर न्यूज़ | हिसार

एचएयू में कर्मचारियों के लिए कैशलेस मेडिकल की सुविधा तथा अन्य मांगो पर कर्मचारियों की प्रशासन से सहमति बन गई है। जल्द ही मांगों के पूरा होने की संभावना है।

एचएयू के गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमण्डल ने विवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ बैठक की। इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि विवि के सभी कर्मचारियों के लिए कैशलेस मेडिकल की सुविधा लागू कर दी गई है तथा कैशलेस मेडिकल कार्ड बनाने की प्रक्रिया भी जल्द ही शुरू कर दी जाएगी। हौंटिया संघ के प्रधान दिनेश कुमार राड़ ने बताया कि कैशलेस मेडिकल सुविधा लागू करने वाला एचएयू हरियाणा का पहला विवि है तथा यह सुविधा कुलपति, कुलसचिव डॉ. एस.के. मेहता, लेखानियन्त्रता नवीन जैन और उनके कार्यालय के कर्मचारियों व अधिकारियों के व्यक्तिगत प्रयास से सम्भव हुआ है। हौंटिया की कुछ लम्बित मांगे जिनमें मुख्यतः 240 नए मकान बनवाने, पुराने सभी प्रकार के मकानों की पूर्ण मुरम्मत करवाने, सामुदायिक केन्द्र की पूर्ण मुरम्मत, ओपन जिम लगाने एंव वातानूकुलित करने आदि की मांगों को पूर्ण करने हेतु विवि की तरफ से निविदाएं जारी कर दी गई है।

हौटियां महासचिव रामपाल ने बताया कि बैठक में गैरशिक्षक कर्मचारियों की अन्य लम्बित मांगे जिनमें मुख्यतः समय सारणी में बदलाव, अधीक्षक के पद से लेखा अधिकारी के पदों पर शत-प्रतिशत पदोन्नति, सहायकों की वरिष्ठता सूची जल्द जारी करने आदि मांगे प्रमुख रही। जिन पर कुलपति ने सहमति प्रकट की तथा जल्द से जल्द पूरी करने के आदेश जारी करने का आश्वासन दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	3.7.22	2	7.8

एचएयू : कर्मचारियों के लिए कैशलेस मेडिकल स्कीम लागू

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में कर्मचारियों के लिए कैशलेस मेडिकल की सुविधा लागू करने पर सहमति बन गई है। गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज के साथ बैठक की। कैशलेस मेडिकल कार्ड बनाने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू कर दी जाएगी।

हौंटिया के प्रधान दिनेश कुमार राड़ ने बताया कि कैशलेस मेडिकल सुविधा लागू करने वाला एचएयू प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज, कुलसचिव महोदय डॉ. एसके मेहता, लेखानियंत्रक नवीन जैन के विशेष प्रयास से संभव हुआ है। प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि कुछ मांगें लंबित हैं, जिनमें 240 नए मकान बनवाने, पुराने सभी प्रकार के मकानों की पूर्ण मरम्मत करवाने, सामुदायिक केंद्र की पूर्ण मरम्मत, ओपन जिम लगाने व वातानूकुलित करना शामिल हैं। हौंटिया महासचिव रामपाल ने बताया कि बैठक में समय सारणी में बदलाव, अधीक्षक के पद से लेखा अधिकारी के पदों पर शत-प्रतिशत पदोन्नति सहित मांगों को रखा गया। इस मौके पर रमेश कुमार कांटिवाल, रामकीर्तन यादव, सुरेंद्र कुमार राठी, सुभाष चंद्र शर्मा, भगवान दास, कुलदीप डाबडा, रोहतास, सुनील रहे।

एचएयू के कुलपति को पुष्प गुच्छ भेंट कर आभार जताते गैर शिक्षक कर्मी। संवाद